पुणना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Grade-VI

HINDI

SPECIMEN COPY

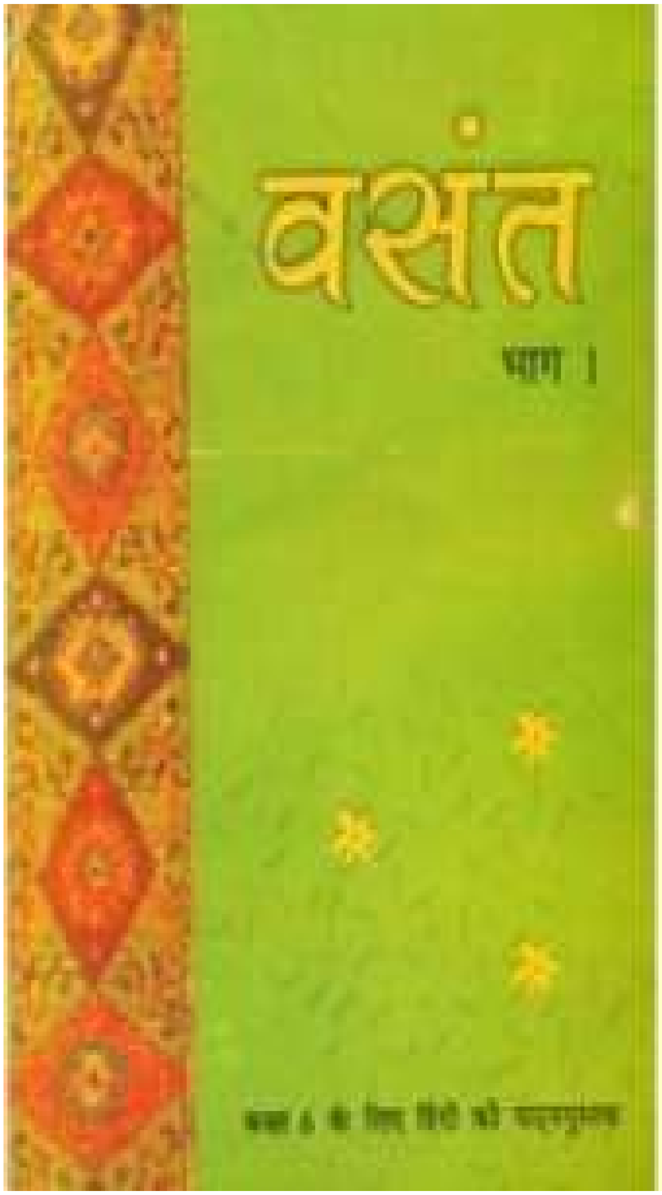
वसंत
भाग 1
कक्षा 6 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

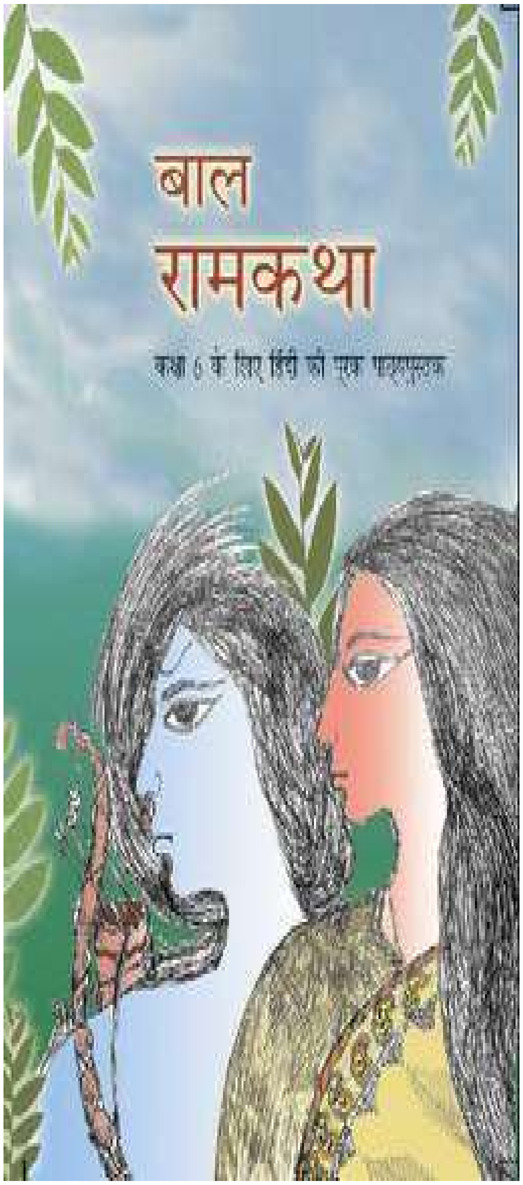
बाल
रामकथा
कक्षा 6 के लिए हिंदी की पूरक पाठ्यपुस्तक

क्रमांक	महीना	पाठ के नाम	
1	अपल	अ-पाठ-1-वो चिड़िया जो----	
		ब-व्याकरण-भाषा, लिपि, व्याकरण	
		क-लेखन भाग-पत्र	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-2-बचपन	
		ब-व्याकरण-वर्ण-विचार	
		क-लेखन भाग-निबंध	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-1-अवधपुरी में राम	
		पाठ-2-जंगल और जनकपुर	
2	जून	अ-पाठ-3-नादान	
		ब-व्याकरण-संज्ञा	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-4-चाँद से थोडी-सी बातें	
		ब-व्याकरण-सर्वनाम	
		क-लेखन भाग-पत्र	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-3-दो वरदान	
		पाठ-4-राम का वन गमन	
3	जुलाई	अ-पाठ-5-अक्षरों का महत्व	
		ब-व्याकरण-विषेशण	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-6-पार नजर के	
		ब-व्याकरण-क्रिया	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	

		अ-पाठ-7 साथी हाथ बढ़ाना(गीत)	
		ब-व्याकरण-काल	
		क-लेखन भाग-सूचना	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-8-ऐसे-ऐसे	
		ब-व्याकरण-लिंग	
		क-लेखन भाग-संवाद	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-5-चित्रकूट में भरत	
		पाठ-6-दंडक वन में राम	

पाठ-1 वो चिड़िया जो (कविता)

(लेखक-श्री केदारनाथ अग्रवाल)

(वो चिड़िया जो----------------------से बहुत प्यार है।)

शब्दार्थ -

1) दूध-भरे-कच्चे, अधपके, मीठे   2) जुंडो - ज्वार
3) रूची से - खुशी से   4) रस से - रस लेकर , स्वाद लेकर
5) संतोषी - संतोष करने वाली   6) रस उँडेलकर - मधुर, मानो शहद घोलकर
7) मुँह बोली - प्यारी   8) विजन - निर्जन स्थान,एकांत
9) जल का मोती-पानी की बूँद   10) गरबीली - स्वाभिमानी

प्र-1-अ) अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) चिड़िया को किससे प्यार है?

-चिड़िया को विजन से प्यार है।

2) चिड़िया के पंख कैसे है?

-चिड़िया के पंख नीले है।

3) चिड़िया रूचि से क्या खाती है?

-चिड़िया रूचि-से दूध भरे जुंडी के दाने खाती है?

4) चिड़िया किसके लिए गाती है?

-चिड़िया बूढ़े वन बाबा के लिए गाती है।

5) चिड़िया जल का मोती कैसे लाती है?

-चिड़िया जल का मोती चोंच मेंलाती है।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

6) चिड़िया को गरबीली क्यों कहा गया है?

उ-चिड़िया जल से भरी उफनती नदी के बीच से भी पानी की बूंदों को चोंच से भरकर ले आती है।यह साहसिक काम के कारण चिड़िया को गरबीली कहा गया है।

7) चिड़िया खाने मेंक्या पसंद काती है?

उ- चिड़िया खाने में दूध भरे ज्वार के दाने पसंद करती है।

8) कविता मेंकैसी चिड़िया का वर्णन किया गया है?

उ- कविता में छोटी नीले पंखो वाली चिड़िया का वर्णन है जो संतोषी और साहसी है। उसे स्वछंदता से घूमना बहुत पसंद है।

क-दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखो।

9) इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

उ-चिड़िया जिन चीज़ों से प्यार करती है वो इस प्रकारहैं-

चिड़िया को खेतों में लगे जौ-बाजरे की फलियों से प्यार है। उसे जंगल में मिले एकान्त, जहाँ वह खुली हवा में गाना गा सकती है, से प्यार है। उसे नदी से प्यार है जिस का ठंडा और मीठा पानी वह पीती है। यह चीज़ें उसे आज़ादी का एहसास दिलाती हैं।इसलिए वह इन सबसे प्यार करती है।

10) कवि ने चिड़िया को छोटी, संतोषी, मुँहबोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है?

उ-चिड़िया छोटे आकार की थी और किसी भी बात को बोलने से नहीं झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटी और मुँह बोली कहा है। वह संतोषी स्वभावकी है। अतः कवि उसे संतोषी कहता है। चिड़िया को अपने कार्यों पर गर्व है क्यों कि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफलता पूर्वक कर जाती है।यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है।

(व्याकरण)

भाषा, लिपि और व्याकरण

भाषा–भाषा वह साधन है जिसके माध्यम से हम सोचते हैं और अपने मन के भावों विचारों को व्यक्त करते हैं।

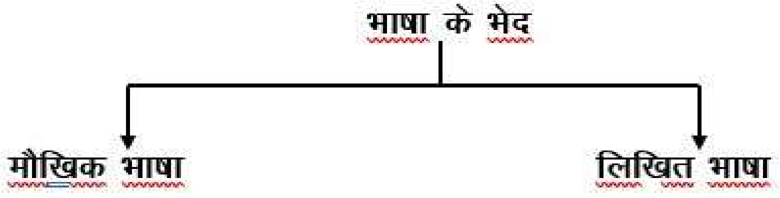

मौखिकभाषा→ जब हम अपने मन के भावों को बोलकर प्रकट करते हैं तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।

लिखितभाषा→ जब हम अपन विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं तो उसे हम लिखित भाषा कहते हैं।राजस्थान – राजस्थानी, मारवाड़ी

बोली–भाषा के क्षेत्रीय रूप को बोली कहते है।

लिपि–भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता हैं।
जैसे –हिन्दी– देवनागरी
अंग्रेज – रोमनलिपि
उर्दू – फ़ारसी
पंजाबी – गुरुमुखीलिपि

व्याकारण– जिस शास्त्र से भाषा के शदध रूप और प्रयोग का ज्ञान होता है, उसे व्याकरण कहते हैं।

लेखन–भाग

दीदी या बहन की शादी पर अवकाश के लिए आवेदन पत्र या प्रार्थना पत्र।

सेवामें,

प्रधानाचार्य मोहदय,
डीएवी स्कूल,
रामनगर दिल्ली

विषय- बहन की शादी के लिए अवकाश प्रदान हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय के कक्षा ऋ९ए वीं का विद्यार्थी हूँ। मेरे घर में मेरी बहन की शादी है। जिसकी दिनांक ऋ९एक्षधएऋ९ष और ऋःऋ९एक्षधएऋ९ष निश्चित हुई है, मैं अपने पिताका इकलौता पुत्र हूँ, अतःशादी में बहुत से कार्यों में मेरा होना अति आवश्यक है। इसी कारण मुझे एप्रएक्षधएऋ९ष से ऋःध्रएक्षधएऋ९ष तक का अवकाश चाहिए।
अतः आप से विनम्र निवेदन है कि आप मुझे अवकाश प्रदान करने की कृपा करें, इसके लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
नाम ळ स्वाधीनशर्मा
कक्षा ळ ऋ९एवीं
रोल नंबर ळ टथ
दिनांक ळ एछएक्षधएऋ९ष

गतिविधि- चिड़िया का चित्र बनाकर रंग भरो।

पाठ-2 बचपन

(लेखिका-कृष्णा सोबती)

शब्दार्थ-

1) शताब्दी-सौ वर्ष

2) दशक-दस वर्ष

3) पोशाक-वेशभूषा

4) फ्रिल-झालर

5) निरा-केवल

6) कमतर-लघुतर, ज्यादा छोटा

7) कोलाहल-शोर

8) सहल-आसान

9) सुभीतेवाली-आरामदायक

10) खीजना-क्रोध करना

प्र-1-अ) अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) इस संस्मरण में लेखिका किसकी चर्चा कर रही हैं?

- इस संस्मरण में लेखिका अपने बचपन की चर्चा कर रही हैं।

2) लेखिका का जन्म किस सदी में हुआ था?

-20वीं सदी में।

3) लेखिका को सप्ताह में कितने दिन चॉकलेट खरीदने की छूट थी?

- लेखिका को सप्ताह में एक दिन चॉकलेट खरीदने की छूट थी।

4) दुकान मेंकिस ट्रेन का मॉडल था?

- दुकान में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल था।

5) हर शनिवार को लेखिका को क्या पीना पडता था?

- हर शनिवार को लेखिका को आलिव ऑयल और कैस्टर ऑयल पीना पडता था।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

6)लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?

उत्तरः- लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजे धोती थी। उसके बाद अपने जूते पॉलिश करके चमकाती थी। इतवार की सुबह इसी काम में लगाती थी।

7) लेखिका बचपन में कौन-कौन सी चीज़े मज़ाले-लेकर खाती थीं?उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उत्तरः- लेखिका बचपन में चाकलेट और चने जोरगरम और अनारदाने का चूर्ण मज़ाले-लेकर खाती थीं। रसभरी, कसमल और काफ़ल उनके प्रिय फल थे।

क-दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखो।

ऋ)उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका में क्या-क्या बदलाव हुए हैं? पाठ से मालूम करके लिखो।

उत्तरः- उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका के पहनावे में भी काफी बदलाव आए।पहले वे रंग-बिरंगे कपडे पहनती रही नीला-जामुनी-ग्रे-काला-चॉकलेटी।अब गहरे नहीं, हलके रंग पहनने लगी। पहले वे फॉक, फिर निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे, गरारे परंतु अब चूड़ीदार और घेरदार कुर्ते पहनने लगी।उम्र बढ़ने के साथ खाने में भी काफ़ी बदलाव आए।

2)'तुम्हेंबताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी।'यह कहकर लेखिका क्या-क्या बताती है?

उत्तर- उन दिनों मनोरंजन के लिए कुछ घरों में ग्रमोफोन थे परंतु उसके स्थान पर आज हर घर में रेडियो और टेलीविजन देखने मिलता है। कुलफ़ी की जगह आइसक्रीम ने लेली है। कचौड़ी-समोसा पैटीज में बदल गया है।शहतूत,फ़ाल्से और खसखस के शरबत का स्थान कोक-पेप्सी ने ले लिया है।

(व्याकरण)

वर्ण-विचार

वर्ण अक्षर-भाषा की सबसे छोटी इकाई, जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, वह वर्ण कहलाती है।

जैसे→अ, र, क्, म्, च् आदि

वर्ण/अक्षर-भाषा की सबसे छोटी इकाई,जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते,वह वर्ण कहलाते

वर्णमाला→ वर्णों का व्यवस्थित क्रम वर्णमाला कहलाता है।
→हिंदी वर्णमाला में कुल **त्रध** वर्ण है।

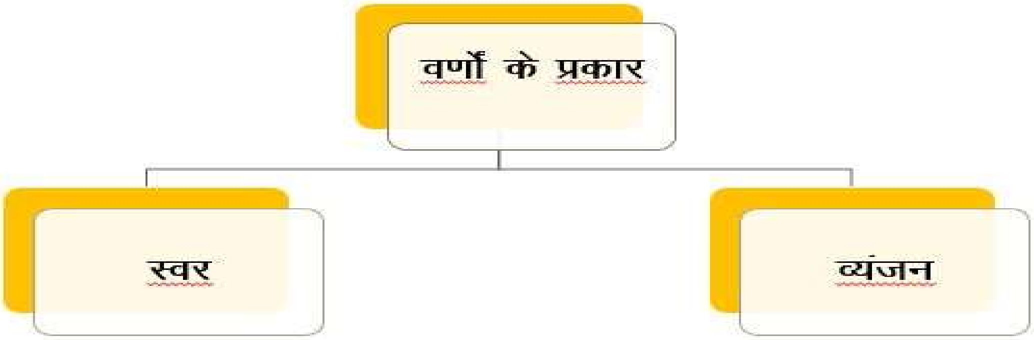
वर्णों के प्रकार
स्वर
व्यंजन

स्वर–जिन वर्णों के उच्चारण में दूसरे वर्णों की सहायता नहीं लेनी पड़ती, वे स्वर कहलाते हैं।
→ स्वरों की संख्या **ऋऋ** होती है।
→ ञञअ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ ञ्ञ।

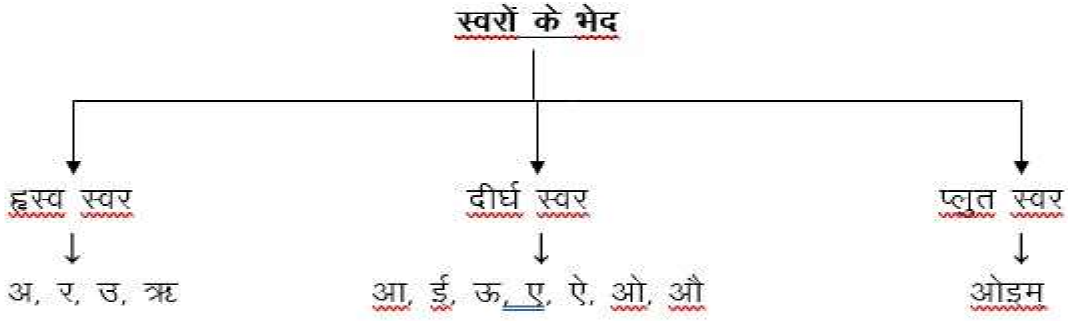
स्वरों के भेद
ह्रस्व स्वर
↓
अ, र, उ, ऋ
दीर्घ स्वर
↓
आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
प्लुत स्वर
↓
ओइम

मात्रा→स्वरों के निर्धारित चिह्न होते हैं, जो व्यंजनों के साथ जुड़कर उनका स्वरूप बदल देते हैं, ये चिह्न मात्राएँ कहलाते हैं।

व्यंजन–जो ध्वनियाँ स्वरों की सहायता से बोली जाती है। उन्हें व्यंजन कहते हैं।
जैसे ꝏ क रु क् रू अ

लेखन–भाग

दीपावली का निबंध

दिवाली के इस विशेष त्योहार के लिए हिंदू धर्म के लोग बहुत उत्सुकता से इंतजार करते हैं। यह बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए हर किसी का सबसे महत्वपूर्ण और पसंदीदा त्यौहार है।

दीवाली भारत का सबसे महत्वपूर्ण और मशहूर त्यौहार है। जो पूरे देश में साथ-साथ हर साल मनाया जाता है। रावण को पराजित करने के बाद, **ऋथ** साल के निर्वासन के लंबे समय के बाद भगवान राम अपने राज्य अयोध्या में लौटे थे। लोग आज भी इस दिन को बहुत उत्साहजनक तरीके से मनाते हैं। भगवान राम के लौटने वाले दिन, अयोध्या के लोगों ने अपने घरों और मार्गों को बड़े उत्साह के साथ अपने भगवान का स्वागत करने के लिए प्रकाशित किया था। यह एक पवित्र हिंदू त्यौहार है जो बुरेपन पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

इस दिन बाजारों को एक दुल्हन की तरह रोशनी से सजाया जाता है ताकि वह इससे एक अद्भुत त्यौहार दिख सके। इस दिन बाजार बड़ी भीड़ से भरा होता है, विशेष रूप से मीठाई की दुकानें। बच्चों को बाजार से नए कपड़े, पटाखे, मिठाई, उपहार, मोमबत्तियां और खिलौने मिलते हैं। लोग अपने घरों को साफ करते हैं और त्योहार के कुछ दिन पहले रोशनी से सजाते हैं। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार सूर्यास्त के बाद लोग देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करते हैं। वे अधिक आशीर्वाद, स्वास्थ्य, धन और उज्जवल भविष्य पाने के लिए भगवान और देवी से प्रार्थना करते हैं। वे दिवाली त्यौहार के सभी पांच दिनों में खाद्य पदार्थों और मिठाई के स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं। लोग इस दिन पासा, कार्ड गेम और कई अन्य प्रकार के खेल खेलते हैं। वे अच्छी गतिविधियों के करीब आते हैं और बुरी आदतों को दूर करते हैं।

पहले दिन धनतेरस या धन्वरावदाशी के रूप में जाना जाता है जिसे देवी लक्ष्मी की पूजा करके मनाया जाता है। लोग देवी को खुश करने के लिए आरती, भक्ति गीत और मंत्र गाते हैं। दूसरे दिन नरका चतुर्दशी या छोटी दिवाली के रूप में जाना जाता है जिसे भगवान कृष्ण की पूजा करके मनाया जाता है क्योंकि उन्होंने राक्षस राजा नारकसुर को मार डाला था। तीसरे दिन मुख्य दिवाली दिवस के रूप में जाना जाता है जिसे शाम को रिश्तेदारों, दोस्तों, पड़ोसियों और जलती हुई फायर क्रैकर्स के बीच मिठाई और उपहार वितरित करते हुए देवी लक्ष्मी की पूजा करके मनाया जाता है। चौथे दिन भगवान कृष्ण की पूजा करके गोवर्धन पूजा के रूप में जाना जाता है। लोग अपने दरवाजे पर पूजा करकेगोबर के गोवर्धन बनाते हैं। पांचवें दिन यम द्वितिया या भाई दौज के रूप में जाना जाता है जिसे भाइयों और बहनों द्वारा मनाया जाता है। बहनों ने अपने भाइयों को भाई दौज के त्यौहार का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करती हैं।

गतिविधि-अपने जमाने की खाने की कुछ चीजें बनाओ और रंग भरो।

पाठ-1 अवधपुरी के राम

शब्दार्थ-

१ - भव्य - शानदार
२- विपन्नता -गरीबी
३ -वंशज - कुल के
४ -कुशाग्र - तेज बुदधि वाला
५ -खिन्न - उदास
६ -मंत्रोच्चार - मंत्रो को बोलना
७ - अनुष्ठान - धार्मिक कार्य
८ -अविलंब - बिना देर किये
९ - निन्तांत - बिल्कुल

प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

१-अयोध्या किस राज्य की राजधानी थी ?

उत्तर-अयोध्या कौशल राज्य की राजधानी थी ।

२ -राजा दशरथ की कितनी रानियाँथी ?

उत्तर-राजा दशरथ की तीन रानियाँ थी।कौशल्या ,कैकयी,सुमित्रा।

३-राजा दशरथ के कितने पुत्र थे ?

उत्तर- राजा दशरथ के चार पुत्र थे। राम,लक्ष्मण,भरत,शत्रुघ्न।

४-राजा दशरथ राम से अधिक प्रेम क्यों करते थे?

उत्तर- राम राजा दशरथ के बड़े पुत्र थे,उनमें सभी मानवीय गुण थे।इसलिए राजा दशरथ राम से अधिक प्रेम करते थे।

५-विश्वामित्र राजा दशरथ के पास क्यों आये थे ?

उत्तर-विश्वामित्र सिदधि के लिए यज्ञ कर रहे थे।दो राक्षस उसमे बाधा डाल रहे थे।उन राक्षसों को मारने के लिए राम की जरूरत थी इसलिए वे दशरथ के पास आये।